

**दुवाल** पुं. (फा.) 1. चमड़ा 2. चमड़े का बना हुआ पट्टा, जैसे घोड़े की पीठ पर या रक़ब में कसा जाने वाला पट्टा या कमर में बाँधी जाने वाली पेट्टी, बेल्ट।

**दुविधा** स्त्री. (तद्.) मन की वह अवस्था जब कर्तव्य-अकर्तव्य में अंतर करना कठिन हो गया हो, अनेक विचारों के आ जाने के कारण अनिश्चय की स्थिति, असमंजस या किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति, ठीक रास्ता चुन न पाना।

**दुशाला** पुं. (फा.) 1. दो शालों को जोड़कर बनाई गई दोहरी ऊनी चादर 2. ऐसी दोहरी ऊनी शाल जिस पर पशमीने का काम किया हुआ हो 3. बेलबूटेदार ओढ़ने की मोटी चादर मुहा. दुशाला लपेट कर मारना- मीठे शब्दों से चोट पहुँचाना।

**दुशासन** पुं. (तद्.) दुर्योधन का छोटा भाई, धृतराष्ट्र का दूसरा पुत्र, दुःशासन।

**दुश्चक्र** पुं. (तत्.) शत्रु द्वारा पैदा की गई ऐसी समस्या या कपट जाल जिसमें से बाहर निकल पाना कठिन हो, शत्रु की कपट-योजना, छल।

**दुश्चरित** पुं. (तद्.) बुरा या निंदनीय आचरण, कदाचार, पापाचरण।

**दुश्चरित्र** वि. (तत्.) 1. जिसका आचरण अच्छा न हो, बुरे चाल-चलन वाला 2. जिसका चरित्र अच्छा न हो, चरित्रहीन बिलो. सच्चरित्र।

**दुश्चिंता** स्त्री. (तत्.) ऐसी चिंता जिसका निवारण कठिन हो, भारी चिंता, किसी होने वाले अनिष्ट को दूर करने के लिए किया जाने वाला गहन चिंतन।

**दुश्चिंत्य** वि. (तत्.) जिसका चिंतन करना भी कष्टदायक हो।

**दुश्चिकित्स्य** वि. (तत्.) ऐसा (रोग) जिसका निदान और चिकित्सा अत्यंत कठिन हो, असाध्य (रोग), ठीक न होने वाला (रोग)।

**दुश्चेष्टा** स्त्री. (तत्.) 1. बुरी चेष्टा, कुकर्म 2. दुस्साहस।

**दुश्चेष्टित** पुं. (तत्.) बुरी नीयत से किया गया काम, कुकृत्य, ऐसा कर्म जिससे किसी को कष्ट हो।

**दुश्मन** पुं. (फा.) 1. शत्रु, वैरी 2. ऐसा, जिससे अपना अहित होने वाला हो बिलो. दोस्त।

**दुश्मनी** स्त्री. (फा.) किए गए अपकार के प्रत्युत्तर में हानि पहुँचाने की भावना, शत्रुता, वैर-भाव बिलो. दोस्ती।

**दुश्वार** वि. (फा.) कठिन परिस्थिति, मुश्किल, (हालात) बिलो. आसान।

**दुश्वारी** स्त्री. (फा.) 1. कठिन होने की भावना, मुश्किलात/मुश्किल 2. विपत्ति, मुसीबत 3. ऐसी स्थिति जिसमें जीना मुश्किल हो गया हो, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, भयंकर बीमारी आदि।

**दुष्कर** वि. (तत्.) जिसे करना अत्यंत कठिन हो, जो कष्टपूर्वक किया जाए, कष्टसाध्य, दुस्साध्य।

**दुष्कर्ता** पुं. (तत्.) दुष्कर्म करने वाला।

**दुष्कर्म** पुं. (तत्.) बुरा कार्य, निंदनीय कार्य, बुरी नीयत से किया गया कर्म, पाप।

**दुष्कर्मा** वि. (तत्.) दुष्कर्म करने वाला।

**दुष्कर्मी** वि. (तत्.) 1. दे. दुष्कर्मा 2. जिसे दुष्कर्म करने की आदत पड़ गई हो, जिसका स्वभाव दुष्कर्म करने का बन गया हो।

**दुष्काल** पुं. (तत्.) कष्ट का समय, बुरा समय, दुर्दिन, अकाल, दुर्भिक्ष, प्रलय-काल।

**दुष्कीर्ति** स्त्री. (तत्.) बदनामी, अपयश बिलो. कीर्ति, यश।

**दुष्कुल** पुं. (तत्.) नीच कुल, बुरा खानदान, नीच जाति से संबंधित कुल।

**दुष्कृत** वि./पुं. (तत्.) बुरे उद्देश्य से या गलत तरीके से किया गया, कुकर्म, पापकर्म, ऐसा कार्य जिससे औरों को हानि पहुँचे।